1

– महासागरीय कटक (Oceanic Ridges) :–

महासागरीय कटक पृथ्वी की विशालतम स्थलाकृति है। इनकी लम्बाई रॉकी व एण्डीज या आल्पस व हिमालय पर्वत मालाओं के क्रम से भी अधिक है। ये सागर तल के नीचे 5000 या 6000 फीट पर पायी जाती है। आधार से शिखर तक इनकी ऊँचाई 10,000 से 12,000 फीट है। एटलांटिक महासागर में यह कटक अजोर्स तथा एसेंशियन द्वीपों के रूप में उभरी हुई दिखाई देती है। महासागरीय कटकें सभी महासागरों में मिलती है। 1970 के बाद सर्वेक्षणों से यह सिद्ध हो गया है कि मध्य एटलांटिक कटक वास्तव में उस वृहत् कटक समूह क्रम का एक भाग जो भूमण्डल के सभी महासागरों में फैला है। यह कटक समूह क्रम वास्तव में एक विभंग कटिबन्ध है जिसके सहारे आन्तरिक शक्तियाँ सक्रिय होकर महाद्वीपों का विस्थापन करती हैं।

उत्तरी अटलांटिक में डॉल्फिन कटक एवं दक्षिणी अटलांटिक के चैलेन्जर कटक

विख्यात है। प्रशान्त महासागर में जलमग्न कटक के बजाय केवल छोटे पठार के रूप में कुछ उभार स्थित है। पूर्वी प्रशान्त महासागरीय कटक 400मीटर की गहराई पर स्थित है।
हवाई तथा होनोलुलु द्वीप इस कटक के ही शिखर हैं। हिन्द महासागर में उत्तर से दक्षिण तक जलमग्न कटक विस्तृत है जो महासागर को दो भागों में बाँटता है। यह अधिक चौड़ा व कम ऊँचा कटक है। अण्डमान निकोबार द्वीप चैगोस, न्यू एमस्टर्डम सैन्ट पॉल आदि द्वीप जलमग्न कटक के ही शिखर हैं।

— अन्त: सागरीय गम्भीर खड्ड (Submarine Canyons) :—

स्थलभाग की तरह ही महाद्वीपीय मग्न-तट तथा मग्न ढाल पर खड़ी दीवारयुक्त गहरी व सँकरी घाटियाँ पाई जाती है। ये प्राय: नदियों के मुहाने पर स्थित होती है। शेपर्ड के अनुसार, ये खड्ड स्थल पर नदी द्वारा निर्मित युवावस्था की घाटियों के समान होती है। किन्तु ये स्थलीय गंभीर खड्डों से अधिक गहरी होती है। इनका औसत ढाल

1.7% होता है। नदियों के मुहानों के समीप या सामने स्थित गम्भीर खड्ड अधिक लम्बे किन्तु कम जलयुक्त होते हैं। द्वीपों के निकट स्थित कैनियन गहरी व अधिक ढाल (13.8%) युक्त होती है। इनकी गहराई सामान्यत: 2000 से 3000 फीट होती है किन्तु कहीं-कहीं ये 10,000 फीट तक गहरी हैं। इनकी तली में रेत, सिल्ट चीका, बजरी आदि पदार्थों के निक्षेप पाये जाते हैं, किन्तु पार्श्वों पर निक्षेप नहीं पाये जाते।

शेपर्ड व बीयर्ड नामक भूगोलवेत्ताओं ने विश्व के 102 कैनियन का अन्वेषण किया है। अटलांटिक महासागर के पश्चिमी तट पर संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट पर मिसीसिपी कैनियन व कनाडा के हैटरस अन्तरीप तक कई कैनियन स्थित हैं जिनमें हडसन व चेसापीक कैनियन मुख्य हैं। प्रशान्त महासागर के अधिकांश खड्ड कैलिफोर्निया की खाड़ी में स्थित हैं। इनमें मॉन्टेरी खाड़ी में स्थित मॉन्टेरी कैनियन सबसे

महत्वपूर्ण है। हिन्द महासागर में अन्त: सागरीय खड्डों की संख्या कम है। गंगा व सिन्धु के समीप मुहानों के निकट कई महत्वपूर्ण किन्तु कम ढालू खड्ड स्थित हैं। श्रीलंका के उत्तर में तथा अफ्रीका तट पर जंजीबार के दक्षिण में कुछ महत्वपूर्ण खड्ड स्थित है।

Next Class :

- गुयॉट या निमग्न द्वीप
(Guyot)